हिचकी आवन लागि म्हाने दादी थारे नाम की भजन लिरिक्स

हिचकी आवन लागि,
म्हाने दादी थारे नाम की,
आसी आसी रे मावड़ली,
म्हारे आँगन आज जी,
म्हारी दादी जी बढ़ासी,
आकर म्हारो मान जी,
आसी आसी रे मावड़ली,
म्हारे आँगन आज जी।bd।

तर्ज – मेहंदी राचन लागी हाथों।

मेहंदी रचास्या हाथां,
चुड़लो घलास्या,
लाल कुसुमल माँ ने,
चुनड़ी उड़ास्या,
सोणा सोणा हार मंगाया,
माँ के ताई आज जी,
आसी आसी रे मावड़ली,
म्हारे आँगन आज जी।bd।

जो भी खुवाश्या म्हे तो,
प्रेम सु मख़ासी,
'वर्षा' की आस म्हारी,
दादी जी पुरासी,
बुंदिया भुजिया भोग,
बणायो है टाबरिया आज जी,
आसी आसी रे मावड़ली,
म्हारे आँगन आज जी।bd।

हाथां सु 'स्वाति' म्हारी,
दादी ने सजावा,
बनडी बनाके माँ ने,
चौकी पे बिठावा,
'हर्ष' चरणा धोक,
लगावा दादी थारे आज जी,
आसी आसी रे मावड़ली,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

म्हारे आँगन आज जी।bd।

हिचकी आवन लागि,
म्हाने दादी थारे नाम की,
आसी आसी रे मावड़ली,
म्हारे आँगन आज जी,
म्हारी दादी जी बढ़ासी,
आकर म्हारो मान जी,
आसी आसी रे मावड़ली,
म्हारे आँगन आज जी।bd।

Singer – Swati Agarwal

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com